कक्षा : द्वितीय – जैन धर्म प्रवेशिका (परीक्षा 23 जुलाई, 2023)

उत्तरतालिका

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **15x1 = (15)**

(a) नवकार मंत्र में किसकी पूजा का भाव है-
(क) व्यक्ति (ख) गुण
(ग) देव (घ) साधु (ख)

(b) 'पज्जुवासामि' का अर्थ है-
(क) वन्दना करता हूँ। (ख) सम्मान करता हूँ।
(ग) सत्कार करता हूँ। (घ) उपासना करता हूँ। (घ)

(c) 'गमनागमन' के दोषों की शुद्धि किससे की जाती है-
(क) आत्म शुद्धि सूत्र (ख) तीर्थंकर स्तुति सूत्र
(ग) ईर्यापथिक सूत्र (घ) कायोत्सर्ग शुद्धि सूत्र (ग)

(d) 'किलामिया' का अर्थ है-
(क) हैरान किया हो (ख) खेद उपजाया हो
(ग) कष्ट पहुँचाया हो (घ) पीड़ा पहुँचे जैसे छुआ हो (ख)

(e) चन्द्रमा से अधिक निर्मल किसे कहा गया है-
(क) सिद्ध (ख) अरिहंत
(ग) आचार्य (घ) साधु (क)

(f) परभाव से स्वभाव में रमण करने की कला है -
(क) प्रतिक्रमण (ख) सामायिक
(ग) संवर (घ) ध्यान (ख)

(g) संवर तत्त्व के भेद हैं-
(क) 18 (ख) 20
(ग) 12 (घ) 04 (ख)

(h) जीव व पुद्गल दोनों किस निमित से चलते हैं-
(क) धर्मास्तिकाय (ख) अधर्मास्तिकाय
(ग) आकाशास्तिकाय (घ) जीवास्तिकाय (क)

(i) जीव राशि के भेद हैं-
(क) 560 (ख) 563
(ग) 303 (घ) 198 (ख)

(j) 'सुभद्र' किसका भेद है-
(क) ग्रैवेयक (ख) अनुत्तर विमान
(ग) किल्विषिक (घ) ज्योतिषि (क)

(k) 'प्रमाद नहीं करें', यह किसका भेद है-
(क) आश्रव (ख) पाप
(ग) संवर (घ) बंध (ग)

(l) 'चन्द्रमा की कला के दृष्टान्त' से किस द्रव्य की पहचान होती है-
(क) पुद्गलास्तिकाय (ख) काल
(ग) जीवास्तिकाय (घ) धर्मास्तिकाय (ग)

(m) भगवान पार्श्वनाथ का दूसरा भव था-
(क) अच्युत देव का (ख) हाथी का
(ग) वज्रनाभ का (घ) स्वर्णबाहु का (ख)

(n) ओम शान्ति शान्ति..... प्रार्थना के रचयिता हैं-
(क) आचार्य हीरा (ख) आचार्य शोभाचन्द्र
(ग) आचार्य हस्ती (घ) जीतमल चौपड़ा (ग)

(o) शिक्षा प्राप्ति में बाधक कारण नहीं है -
(क) अभिमान (ख) प्रमाद
(ग) रोग (घ) धन (घ)

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **15x1 = (15)**

(a) अस्पष्ट-मुण-मुण बोलना 'मुम्मुण' दोष होता है। (हाँ)

(b) आचार्य 25 गुणों के धारक होते हैं। (नहीं)

(c) आध्यात्मिक साधना के क्षेत्र में गुरु का पद सबसे ऊँचा है। (हाँ)

(d) 'गमनागमन' के दोषों का शोधन 'ईर्यापथिक सूत्र' से नहीं होता है। (नहीं)

(e) सामायिक में 12 दोषों का सेवन किया जाता है। (नहीं)

(f) सामायिक में कायोत्सर्ग शुद्धि का पाठ एक बार बोला जाता है। (हाँ)

(g) सामायिक में 'परिग्रह संज्ञा' का सेवन किया जाता है। (नहीं)

(h) श्रोत्रेन्द्रिय को वश में नहीं रखे तो संवर होता है। (नहीं)

(i) निर्जरा के दस भेद होते हैं। (नहीं)

(j) पुद्गलास्तिकाय को सड़न गलन विध्वंसन गुण से पहचाना जाता है। (हाँ)

(k) प्रभु पार्श्वनाथ ने स्वर्णबाहु के भव में तीर्थंकर गोत्र का उपार्जन किया। (हाँ)

(l) पार्श्वनाथ 'अच्युत देव' छठे भव में बने थे। (नहीं)

(m) 'जरा कर्म देखकर करिए' प्रार्थना के रचयिता श्री जीतमलजी चौपड़ा हैं। (हाँ)

(n) शिक्षा प्राप्ति में दूसरा बाधक कारण प्रमाद है। (नहीं)

(o) सती साध्वी का शील भंग करने वाला महापापी होता है। (हाँ)

प्र.3 निम्नलिखित में क्रम से सही जोड़ी मिलाकर उत्तर रिक्तस्थान में लिखिए:- **15x1 = (15)**

(a)	अशरीरी	(क) शिक्षा में बाधक	सिद्ध भगवान
(b)	भमलीए	(ख) महापापी	आत्म शुद्धि
(c)	चलासन	(ग) शान्तिनाथ	काया दोष
(d)	संक्षेप	(घ) आचार्य हस्ती	वचन दोष
(e)	आइगसणं	(च) पार्श्वनाथ का पूर्वभव	शक्रस्तव सूत्र
(f)	पयासयरा	(छ) संवर तत्त्व	लोगस्स सूत्र
(g)	अप्रदेशी	(ज) मोक्ष तत्त्व	काल
(h)	सम्यक् ज्ञान	(झ) काल	मोक्ष तत्त्व
(i)	अमैथुन	(य) लोगस्स सूत्र	संवर तत्त्व
(j)	अश्वसेन	(र) वचन दोष	पार्श्वनाथ
(k)	प्राणत देव	(ल) शक्रस्तव सूत्र	पार्श्वनाथ का पूर्वभव
(l)	गजमुनि	(व) काया दोष	आचार्य हस्ती
(m)	विश्वसेन	(क्ष) आत्म शुद्धि	शान्तिनाथ
(n)	आत्मघाती	(त्र) सिद्ध भगवान	महापापी
(o)	आलस्य	(ज्ञ) पार्श्वनाथ	शिक्षा में बाधक

प्र.4 मुझे पहचानो :- **15x1 = (15)**

(a) मैं शरीर को स्थिर, वचन को मौन तथा मन को एकाग्र रखकर किया जाता हूँ। — कायोत्सर्ग

(b) मैं हाथ पैर की अंगुलियों का कड़का निकालने वाला काया का दोष हूँ। — मोटन दोष

(c) मैं पापों का नाश करने वाला मंगलकारी मंत्र हूँ। — नवकार मंत्र/नमस्कार मंत्र/पंच परमेष्ठि मंत्र

(d) मैं समभाव की साधना करने की क्रिया हूँ। — सामायिक

(e) सामायिक ग्रहण करते समय मेरा पाठ दो बार बोला जाता है। — शक्रस्तव (णमोत्थुणं पाठ)

(f) मैं सावद्य योगों के त्याग की प्रतिज्ञा ग्रहण करने वाला पाठ हूँ। — करेमि भंते

(g) मैं पुण्य तत्त्व का तीसरा भेद हूँ। — लयन पुण्य

(h) मेरा गुण जगह देने का है। — आकाशास्तिकाय

(i) मैं लेश्या का तीसरा भेद हूँ। — कापोत लेश्या

(j) मेरे द्वारा जलते हुए नाग का उद्धार किया। — पार्श्वनाथ

(k) मैं एक ऐसा ज्ञान हूँ, जो तीर्थंकरों को दीक्षा ग्रहण करते ही प्राप्त हो जाता हूँ। — मनःपर्यव ज्ञान

(l) मैं इस युग का प्रथम अवतार तीर्थंकर हूँ। — ऋषभ देव

(m) मैं विश्वसेन व अचिरा का नंदन हूँ। — शान्तिनाथ

(n) एक भव में मेरे कानों में शीशा डाला गया। — त्रिपृष्ठ वासुदेव के भव में

(o) मैं शिक्षा प्राप्ति का पहला बाधक कारण हूँ। — अभिमान

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्यों में उत्तर दीजिए- **8x2 = (16)**

(a) पर्युपासना करने से क्या लाभ होता है ?

उ. अशुभ कर्मों की निर्जरा व महान् पुण्योपार्जन होता है।

(b) 'विमासन' दोष का क्या अर्थ है ?

उ. गले या गाल पर हाथ लगाकर शोकासन में बैठना।

(c) इरियावहिया के पाठ में कितने प्रकार के जीवों की विराधना का उल्लेख है ?

उ. पाँच प्रकार के जीव- एकेन्द्रिय, बेइन्द्रिय, तेइन्द्रिय, चतुरिन्द्रिय एवं पंचेन्द्रिय की विराधना का उल्लेख है।

(d) पहला नमोत्थुणं किसको दिया जाता है?

उ. सिद्धों को

(e) काल द्रव्य को गुण की अपेक्षा से समझाइए।

उ. वर्तन गुण-नये को पुराना व पुराने को नष्ट करें, कपड़े व कैंची का दृष्टान्त

(f) अनुत्तर वैमानिक के 5 भेद लिखिए।

उ. 1. विजय 2. वैजयन्त 3. जयंत 4. अपराजित 5. सर्वार्थसिद्ध।

(g) किस प्रकार कार्य करने से पाप का बंध नहीं होता है ?

उ. यतना से कार्य करने से पाप का बंध नहीं होता है।

(h) महापापी के प्रथम दो भेद लिखिए।

उ. 1. आत्मघाती 2. विश्वासघाती।

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन पंक्तियों में लिखिए : - **8x3 = (24)**

(a) **सिद्धों से पहले अरिहन्तों को नमस्कार क्यों किया जाता है ?**

उ. अरिहन्त मोक्ष की राह दिखाने वाले, सिद्धों की पहचान करने वाले परम उपकारी होने के कारण पहले अरिहन्तों को नमस्कार किया जाता है।

(b) **उपाध्याय किसे कहते हैं ?**

उ. जो स्वयं शास्त्रों का अध्ययन करते हैं, कराते हैं तथा 25 गुणों के धारक होते है, उन्हें उपाध्याय कहते हैं।

(c) **'इरियावहिया' के पाठ में विराधना कितने प्रकार की बतलाई, उनके नाम लिखिए।**

उ. दस प्रकार की- अभिहया, वत्तिया, लेसिया, संघाइया, सघट्टिया, परियाविया, किलामिया, उद्दविया, ठाणाओ ठाणं संकामिया, जीवियाओ ववरोविया।

(d) **सामायिक के उपकरण कौन-कौन से हैं ? उनके नाम लिखिए।**

उ. 1. आसन 2. बिना सिले हुए सूती सफेद वस्त्र 3. मुँहपत्ती
4. पूँजनी 5. स्वाध्याय हेतु धार्मिक पुस्तकें।

(e) **चारित्र के पाँच भेद लिखिए।**

उ. 1. सामायिक चारित्र 2. छेदोपस्थापनीय चारित्र 3. परिहार विशुद्धि चारित्र
4. सूक्ष्म सम्पराय चारित्र 5. यथाख्यात चारित्र

(f) **निर्जरा के 12 भेद लिखिए।**

उ. 1. अनशन 2. ऊनोदरी 3. भिक्षाचर्या 4. रसपरित्याग
5. कायक्लेश 6. प्रतिसंलीनता 7. प्रायश्चित्त 8. विनय
9. वैयावृत्य 10. स्वाध्याय 11. ध्यान 12. व्युत्सर्ग

(g) **भगवान पार्श्वनाथ को केवल ज्ञान कहाँ व कैसे प्राप्त हुआ ?**

उ. भगवान पार्श्वनाथ को वाराणसी के पास आश्रम पद उद्यान में, घातकी वृक्ष के नीचे तेले की तपस्या के साथ केवल ज्ञान, केवल दर्शन प्राप्त हुआ।

(h) **'प्रातः समय.....शान्ति कहो।' प्रार्थना की पंक्तियों को पूर्ण कीजिए।**

उ. प्रातः समय जो धर्मस्थान में, शान्तिपाठ करते मृदु स्वर में।
उनको दुःख नहीं हो, सब मिल शान्ति कहो।।